Q.N. यूनेस्को (UNESCO) की गतिविधियों पर निबंध लिखे। पुस्तकालय के विकास मे इसका क्या योगदान है।

Ans→ UNESCO का पूरा नाम United Nations Educational Scientific and Cultural Organisation है। यह विश्व के अनेक राष्ट्रो का एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, इस संगठन ने अपने उद्देश्यो की प्राप्ति हेतु पुस्तकालय का एक सशक्त माध्यम को स्वीकार करते हुए एक पुस्तकालय मंडल की स्थापना की जिसे "प्रलेखन, पुस्तकालय और अभिलेखागार" के नाम से जाना जाता है।

UNESCO के निम्नलिखित प्रमुख उद्देश्य है-

(1) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, विज्ञान एवं सास्कृतिक क्रियाकलापो को प्रोत्साहित करना,

(2) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व समुदाय के मध्य शान्तिपूर्ण मधुर संबंध स्थापित करना,

(3) प्रकाशित सूचना साहित्य को सर्वसुलभ बनाना तथा शैक्षणिक सुविधाओ को व्यापक स्तर पर सुलभ कराना,

(4) शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र मे पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रो के लिए वितरण केन्द्र के रूप मे कार्य करना

(5) शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र मे किये जा रहे क्रियाकलापो के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना,

UNESCO की गतिविधियाँ निम्नलिखित है-

(1) पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रो की स्थापना → यूनेस्को ने प्रारंभ से ही शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा साक्षरता कार्यक्रमो को सहायता प्रदान करने के लिए सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना एवं विकास पर विशेष ध्यान दिया। इसने पुस्तकालयो

Scanned with CamScanner

की स्थापना, पुस्तकालय अधिनियम, सार्वजनिक कोष, निष्पक्ष एवं नि:शुल्क सेवा इत्यादी पर विस्तृत रूप से विचार प्रकट किया गया। इस नीति के तहत सार्वजनिक पुस्तकालयो की स्थापना एवं विकास किया गया।

जैसे – भारत मे दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
नाइजीरिया मे क्षेत्रीय केन्द्रीय पुस्तकालय

(2) प्रशिक्षण कार्यक्रम → यूनेस्को सदस्य देशो मे पुस्तकालय कर्मचारियो की कार्यकुशलता मे वृद्धि करने तथा प्रशिक्षित पुस्तकालय कर्मचारियो की कमी को दूर करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशालाओ का आयोजन करता रहता है। यूनेस्को प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु सदस्य देशो को विशेषज्ञ शिक्षक एवं अन्य आवश्यक सुविधायें भी उपलब्ध कराता है। यूनेस्को द्वारा विधिवत प्रशिक्षण देने हेतु विभिन्न राष्ट्रो मे प्रशिक्षण केन्द्रो तथा विद्यालय की स्थापना की गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रवृत्तियाँ तथा अन्य आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

(3) सिद्धान्तो एवं मानको का निर्धारण → पुस्तकालय प्रलेखन केन्द्र एवं सूचना केन्द्रो से संबंधित कार्यो एवं सेवाओ का विकास करने, एकरूपता लाने, मानकीकरण करने हेतु यूनेस्को द्वारा कुछ सिद्धांतो एवं मानको का निर्धारण किया गया है। यूनेस्को ने सार्वजनिक पुस्तकालयो के विकास एवं कार्यक्षेत्र के विस्तार हेतु "पब्लिक लाइब्रेरी मैनिफेस्टो" जारी किया गया

(4) प्रकाशन कार्यक्रम → यूनेस्को अपने कार्यक्रमो एवं गतिविधियो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के सूचना सामग्रियो को प्रकाशित करता है। जैसे – ग्रंथ, पत्र-पत्रिका

Scanned with CamScanner

मैनुअल, निर्देशिका, मार्गदर्शिका, संदर्भ ग्रंथ इत्यादि अनेक रूपों में प्रकाशित करता है।

यूनेस्को के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विवरण -

(i) यूनेस्को बुलेटीन (ii) कॉपी राइट बुलेटीन
(iii) पब्लिक लाइब्रेरी मैनिफेस्टो (iv) इन्फो मैटिनसं
(v) यूनेस्को जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन साइन्स

(5) अन्य प्रमुख गतिविधियाँ → यूनेस्को की विभिन्न क्षेत्रों की महत्वपूर्ण गतिविधी का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है।

(1) यूनेस्को सदस्य देशों के अभिलेखागारों के विकास एवं संरक्षण में सहायता प्रदान करता है।

(2) यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर "पुस्तक क्रय" प्रक्रिया को सहज बनाने हेतु "पुस्तक कूपन पद्धति" की व्यवस्था करता है।

(3) अन्तर्राष्ट्रीय ~~स्तर~~ प्रकाशन अधिनियम (copy right Act) लागू कराने का श्रेय यूनेस्को को ही जाता है।

(4) प्रलेखन केन्द्रो, सार्वजनिक पुस्तकालयों, राष्ट्रीय पुस्तकालयों की स्थापना एवं विकास में यूनेस्को सक्रिय योगदान दे रहा है।

(5) पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्रो में कम्प्यूटर तथा अन्य आधुनिक तकनीकी के प्रयोग हेतु यूनेस्को आर्थिक एवं तकनिकी सहयोग प्रदान कर रहा है।

(6) राष्ट्रीय ग्रंथ सूची एवं संघ प्रसूची की परियोजनाओं में भी यूनेस्को सहयोग प्रदान कर रहा है।

Scanned with CamScanner